

प्रेषक

सी० भास्कर,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उरेडा,  
देहरादून।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक 05 मार्च, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को वैकल्पिक ऊर्जा कार्यक्रम के लिये अनुदान की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2545/2007/उरेडा/3(1)37 बजट/07, दिनांक 18-1-2008 के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या-3854/1/2007-03(1)/17/2007, दिनांक 24-8-2007 से कम से मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को जिला सेक्टर में सोलर थर्मल कार्यक्रम हेतु रु० 325-00 हजार एवं ऊर्जा के अन्य स्रोत हेतु रु० 8762-00 हजार संलग्न बी.एम.-15 के विवरणानुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से अर्थात् कुल धनराशि रु० 9087-00 हजार (रु० नववे लाख सतासी हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों के अधीन आहरित कर व्यय करने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यों पर उनके लिये जनपदवार अनुमोदित परिव्यय की सीमा के अन्तर्गत ही किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष जिन योजनाओं में भारत सरकार से धनराशि प्राप्त होती है, उसे प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त कर योजनावार प्राप्त केन्द्रांश की सूचना शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
- 3- स्वीकृत धनराशि का बिल निदेशक, उरेडा द्वारा तैयार कर सहायक विद्युत निरीक्षक, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरित के उपरान्त देहरादून कोषागार से आवश्यकतानुसार ही धनराशि का आहरण किया जायेगा। तदुपरान्त निदेशक, उरेडा द्वारा सम्बन्धित जिलों को धनराशि प्रेषित की जायेगी एवं जनपदवार प्रेषित की गई धनराशि की सूचना शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 4- व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल, फाईनैन्सियल हैंडबुक, स्टोर परचेज मूल्य मितव्ययता टैण्डर के विषय में निर्गत आदेश एवं अन्य के सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जायेगा, यदि कार्य पर स्वीकृति के पूर्व किसी तकनीकी स्वीकृति की आवश्यकता है, तो वे भी प्राप्त कर ही धनराशि व्यय की जायेगी।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का मदवार व्यय विवरण व उपयोगिता प्रमाण पत्र निदेशक, उरेडा द्वारा शासन को तत्काल उपलब्ध कराया जायेगा।
- 6- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित जनपद के परियोजनाधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- केन्द्र पुरोनिर्धानित योजनाओं पर केन्द्रांश अवमुक्त किये जाने के बाद ही कोषागार से आवश्यक धनराशि का आहरण किया जायेगा।

8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.3.2008 तक उपयोग सुनिश्चित कर लिया जायेगा और उक्त तिथि तक कार्यवार वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। समय से धनराशि का उपयोग न करने वाले प्रोजेक्ट मैनेजर/राक्षम अधिकारी का स्पष्टीकरण प्राप्त कर उसके विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जायेगी। भारत सरकार से वित्त प्रेषित योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को यथासमय प्रेषित कर दिया जायेगा।

9- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कल्याणार्थ धनराशि अलग से निर्गत की जायेगी।

10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-आयोजनागत की संलग्नक में उल्लिखित सुसंगत मानक मदी के नामे डाला जायेगा।

2- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-22/वित्त-2/2008, दिनांक फरवरी, 2008 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न:- यथोक्त।

भवदीय

(सी० भास्कर)  
अपर सचिव

संख्या:-349 /1/2007-03(1)/17/07, तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून ।
- 2- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 5- प्रभारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- नियोजन विभाग
- 7- वित्त अनुभाग-2
- 8- सहायक विद्युत निरीक्षक, देहरादून ।
- 9- विभागीय आदेश पुस्तिका हेतु।

आज्ञा से,

( सी० भास्कर )  
अपर सचिव

शासनादेश सं० 349 /1/2008-3(1)/17/2007, दिनांक 05 मार्च, 2008 का संलग्नक

अनुदान सं० 21

(धनराशि हजार रु० में)

लेखाशीर्षक	अवमुक्त की जा रही धनराशि
2810-वैकल्पिक ऊर्जा-02-सौर एनर्जी-आयोजनागत-101-सौर थर्मल कार्यक्रम-91-उरेडा के लिए अनुदान (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	325
60-ऊर्जा के अन्य स्रोत-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01-कन्द्रीय आयोजनागत/कन्द्रीय पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत अंशपोषित -91-उरेडा/नेडा के लिए अनुदान (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	8762
योग:-	9087

(कुल धनराशि रु० नब्बे लाख सतासी हजार मात्र)

(सी० भास्कर)  
अपर सचिव



बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधि के व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरप्लस धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानांतरित किया जाना है।	पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ 5 की कुल धनराशि	पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ 4 में कुल अवशेष धनराशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2810-वैकल्पिक ऊर्जा-02-सोलर एनर्जी-101-सोलर थर्मल कार्यक्रम				ऊर्जा-02 सोलर एनर्जी-101-सोलर थर्मल कार्यक्रम-91-उरेडा के लिए अनुदान (जिला योजना)			(क) आवश्यकता न होने के कारण।
03-सोलर एनर्जी कार्यक्रम हेतु उरेडा को सहायता-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता	2886			20 सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता	2986	2666	(ख) प्लान परियोजना के अनुसार बजट व्यवस्था न होने के कारण
3000				60-ऊर्जा के अन्य स्रोत			
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्रीय पुरोनिर्मानित योजना के अन्तर्गत अशपोषित				800-अन्य			
0101-उरेडा के लिए अनुदान-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता				01-केन्द्रीय आय/केन्द्रीय पुरो योजना के अन्तर्गत अशपोषित			
291				91-उरेडा/नैडा के लिए अनुदान (जिला योजना)	11262		
60-ऊर्जा के अन्य स्रोत-800-अन्य व्यय				20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता		36842	
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्रीय पुरोनिर्मानित योजना के अन्तर्गत अशपोषित-0101-लघु जल विद्युत एवं सुचारित घरात योजना -20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता	10112	26730	8762				
46804							
योग	48895	26730	9087		14228	39808	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनिर्माण से बजट में अन्तर्गत के परिवर्द्ध 150,151,155,156 में उल्लिखित सामग्री का एव प्राविधान का उल्लेख नहीं हो

(सी0 मास्कर) अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-2

संख्या 22 (क) XXV/11-2-07

देहरादून दिनांक 28 फरवरी 2008

पुनर्विनिर्माण स्वीकृति

₹0/-डा0 एम0 सी0 जोशी

अपर सचिव

संख्या 344/2008-03/1/17/07 दिनांक 05 मई 2008

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएं एव आवश्यक समय ही हेतु प्रेषित।

1- कस्टोड कोमपिकारी, देहरादून।

2- वित्त अनुभाग 2

(सी0 मास्कर)

अपर सचिव